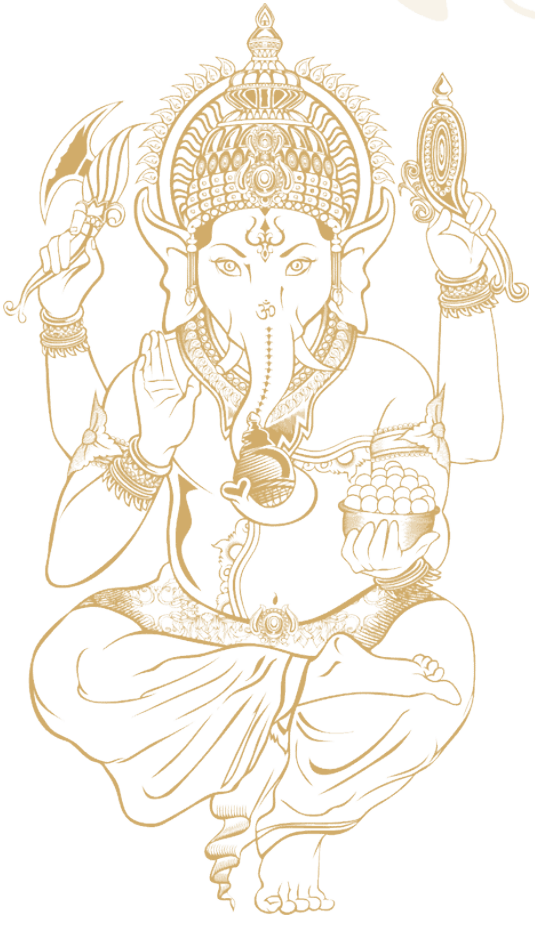

Gaurav Shukla

Priti Mishra

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121021201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121021201 Date: 23/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/10/1999	जन्म तिथि	22/05/2000
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:10:00	जन्म समय	21:30:00 घंटे
घटी 42:47:00	जन्म समय(घटी)	40:47:59 घटी
India	देश	India
Jaunpur	स्थान	Palghar
25:44:00 उत्तर	अक्षांश	19:42:00 उत्तर
82:41:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:44	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:11	सूर्योदय	06:01:07
17:23:28	सूर्यास्त	19:09:48
23:51:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:29

कर्क	लग्न	धनु
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मेष	राशि	धनु
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
भरणी	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	4
सिद्धि	योग	शुभ
कौलव	करण	बालव
लू-लूनेश	जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	वानर
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	श्वान

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 0मा 15दि		05:35:32	कर्क	लग्न	धनु	10:17:06	शुक्र 1वर्ष 3मा 6दि	
मंगल		08:00:31	तुला	सूर्य	वृष	07:59:31	राहु	
09/11/2025		19:58:21	मेष	चंद्र	धनु	25:49:16	28/08/2024	
09/11/2032		12:27:23	धनु	मंगल	वृष	19:15:07	29/08/2042	
मंगल	07/04/2026	02:06:09	वृश्चि	बुध	वृष	23:14:39	राहु	12/05/2027
राहु	26/04/2027	05:48:43	मेष व	गुरु	मेष	27:27:20	गुरु	04/10/2029
गुरु	01/04/2028	21:37:02	सिंह	शुक्र	वृष	02:38:50	शनि	10/08/2032
शनि	10/05/2029	20:47:39	मेष व	शनि	मेष	28:06:07	बुध	28/02/2035
बुध	08/05/2030	15:12:07	कर्क व	राहु व	कर्क	01:57:18	केतु	17/03/2036
केतु	04/10/2030	15:12:07	मक व	केतु व	मक	01:57:18	शुक्र	18/03/2039
शुक्र	04/12/2031	19:00:54	मक	हर्ष	मक	26:57:49	सूर्य	09/02/2040
सूर्य	10/04/2032	07:46:31	मक	नेप व	मक	12:39:40	चन्द्र	10/08/2041
चन्द्र	09/11/2032	15:04:56	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:57:15	मंगल	29/08/2042

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:01 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:29

लग्न-चलित

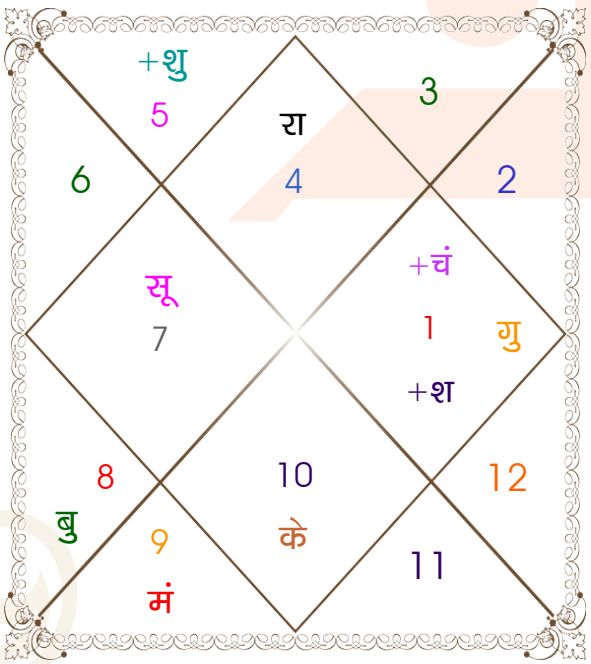

लग्न-चलित

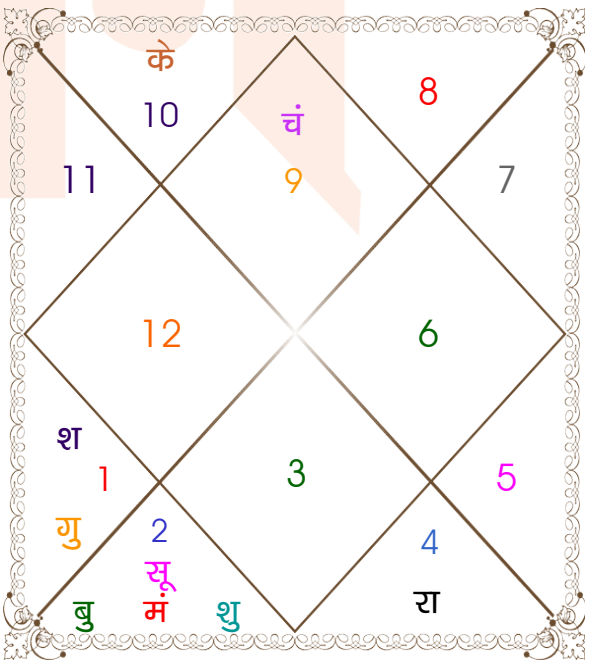

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36

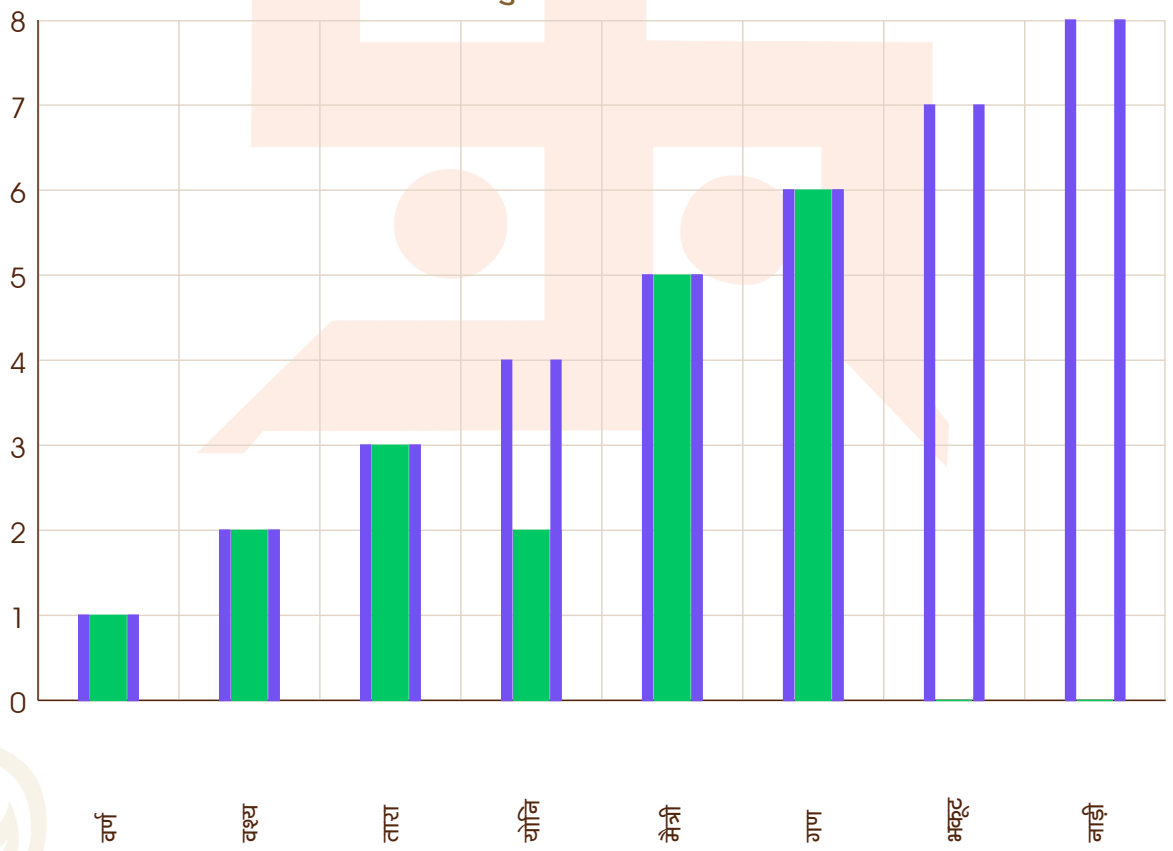

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

ळंनतंअौनासं का वर्ग मृग है तथा Priti Mishra का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतंअौनासं और Priti Mishra का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंनतंअौनासं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Priti Mishra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ळंनतंअौनासं तथा Priti Mishra में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ळंनतंअौनासं का वर्ण क्षत्रिय तथा Priti Mishra का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

ळंनतंअौनासं का वश्य चतुष्पद है एवं Priti Mishra का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप ळंनतंअौनासं एवं Priti Mishra दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

ळंनतंअौनासं की तारा जन्म तथा Priti Mishra की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

ळंनतंअौनासं की योनि गज है तथा Priti Mishra की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता

कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळंनतंअौनासं एवं Priti Mishra दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ळंनतंअौनासं एवं Priti Mishra के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ळंनतंअौनासं एवं Priti Mishra जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ळंनतंअौनासं का गण मनुष्य तथा Priti Mishra का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ळंनतंअौनासं से Priti Mishra की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Priti Mishra से ळंनतंअौनासं की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। ळंनतंअौनासं की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

ळंनतंअौनासं की नाड़ी मध्य है तथा Priti Mishra की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में

से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में ळंनतंअौनासं एवं Priti Mishra का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ळंनतंअौनासं की जन्मराशि मेष तथा Priti Mishra की जन्म राशि धनु है तथा यह दोनो अग्नितत्व की राशियां है। अतः ळंनतंअौनासं और Priti Mishra का शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर मिलान उतम रहेगा तथा इनका दाम्पत्य जीवन सुखी एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ळंनतंअौनासं की राशि का स्वामी मंगल है तथा Priti Mishra की राशि का स्वामी बृहस्पति है जो परस्पर मित्रता का भाव रखते है। अतः इसके प्रभाव से ळंनतंअौनासं और Priti Mishra दोनों बहादुर उदार प्रगतिशील स्वतंत्र प्रवृति एवं आदर्शवादी होंगे। साथ ही इनके परस्पर संबधों में मधुरता रहेगी तथा सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे की छोटी मोटी गलतियों की उपेक्षा करके परस्पर प्रेम भाव से रहेंगे जिससे इनका दाम्पत्य जीवन शांतिमय ढंग से व्यतीत होगा।

ळंनतंअौनासं और Priti Mishra की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है जो एक भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा अपनी श्रेष्ठता एवं स्वाभिमान के भाव को रखने के लिए परस्पर मतभेदों की संभावना रहेगी अतः यदि श्रेष्ठता एवं अभिमान के भाव में न्यूनता की जाय तो आप आन्नदपूर्वक दाम्पत्य जीवन व्यतीत कर सकते है।

आप दोनों का वश्य चतुष्पाद है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियां समान रहेंगी तथा दाम्पत्य सुख की प्राप्ति में परस्पर आकर्षण उत्साह एवं प्रसन्नता का भाव रहेगा जिससे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन में आपको शांति एवं सन्तुष्टि के क्षणों की प्राप्ति होगी।

ळंनतंअौनासं और Priti Mishra दोनों का वर्ण क्षत्रिय है अतः दोनों साहसी पराक्रमी तथा बलवान होंगे तथा दोनों की कार्य क्षेत्र में क्षमताएं समान रहेगी जिससे कार्य क्षेत्र में उन्नति मार्ग प्रशस्त होंगे।

धन

ळंनतंअौनासं और Priti Mishra का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से ळंनतंअौनासं और Priti Mishra सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

ळंनतंअौनासं को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे

धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ळंनतंअौनासं और Priti Mishra दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे ळंनतंअौनासं और Priti Mishra दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से ळंनतंअौनासं को धातु संबंधी तथा Priti Mishra को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ळंनतंअौनासं और Priti Mishra का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ळंनतंअौनासं और Priti Mishra के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Priti Mishra के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Priti Mishra को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Priti Mishra को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ळंनतंअौनासं और Priti Mishra सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ळंनतंअौनासं और Priti Mishra का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Priti Mishra के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Priti Mishra अत्यंत

ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Priti Mishra पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Priti Mishra अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ळंनतंअौनासं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में ळंनतंअौनासं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह ळंनतंअौनासं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही ळंनतंअौनासं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण ळंनतंअौनासं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।